राष्ट्रीय संगोष्ठी

''आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन: चुनौतिया एवं समाधान''

12-13 मार्च 2024

पंजीयन प्रपत्र

नाम ....

पदनाम ....

संस्था ....

....

जन्मतिथि ....

पता ....

....

मोबाईल ....

ई-मेल ....

शोध पत्र/आलेख का शीर्षक ....

....

पंजीयन शुल्क .... नगद/बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट नं. .... दिनांक ....

बैंक का नाम ....

दिनांक : .... हस्ताक्षर

(इस प्रपत्र की छायाप्रति मान्य है)

Book Post

राष्ट्रीय संगोष्ठी

''आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन: चुनौतियाँ एवं समाधान''

12-13 मार्च, 2024

प्रति,

प्रेषक:
डॉ. एस. के. दुबे
प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष
भूगोल विभाग,
शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
मो. [illegible], ई-मेल: gppcc.bsp@gmail.com

राष्ट्रीय संगोष्ठी

''आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन: चुनौतियाँ एवं समाधान''

Modernization and Water Resources Challenges & Solutions

12-13 मार्च 2024

आयोजक

छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद

एवं

भूगोल विभाग

शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

संरक्षक

डॉ. एस.एल. निराला

प्राचार्य

संयोजक

डॉ. एस.के. दुबे

प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष

आमंत्रण

मान्यवर,

छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद व शासकीय जे.पी. वर्मा कला व वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में "आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन : चुनौतियां एवं समाधान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित है। इस संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ एवं देश के अन्य भागों से भूगोलवेत्ता एवं संगोष्ठी के विषय में रूचि रखने वाले विभिन्न विषयों के विद्वान आमंत्रित हैं।

विषय वस्तु :-

जल एक बहुमूल्य निधि है, परंतु उपलब्धता सीमित है। सदी के प्रारंभ में जल संसाधन उत्पादन एवं उपभोग के मध्य सामंजस्य था किंतु विकास की यात्रा में बढ़ते नगरीकरण, औद्योगिक विकास एवं जल के अतिदोहन के परिणामस्वरूप, लंबी अवधि तक जल की उपलब्धता के परिप्रेक्ष्य में जल संसाधन संरक्षण अत्यावश्यक है। विकास की दौड़ में यदि मानव विवेकपूर्ण रूप से जल संसाधनों का उपयोग न करें तो भविष्य में विश्वव्यापी जल संकट होगा।

महाविद्यालय परिचय :-

छत्तीसगढ़ की पावन भूमि पर स्थित शास. जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय की स्थापना सन् 1944 में हुई थी। इस महाविद्यालय में तीन हजार तीन सौ छात्र- छात्राएं अध्ययनरत हैं। अटल बिहारी वाजपेयी वि.वि. बिलासपुर से सम्बद्धता प्राप्त इस महाविद्यालय में 18 विभाग हैं जिनमें से अधिकांश स्नातकोत्तर एवं शोध केन्द्र भी है। कॉलेज कैंपस में ग्रंथालय, क्रीड़ा विभाग, प्रयोगशाला एवं वाई-फाई सुविधाएं उपलब्ध है। अकादमिक उत्कृष्टता के लिए यह शिक्षा संस्थान विख्यात है। बिलासपुर शहर सड़क मार्ग, रेलमार्ग एवं वायुमार्ग से जुड़ा हुआ है।

शोध संगोष्ठी के बिन्दु :-

- जल संसाधन एवं जलवायविक तत्वों का प्रभाव
- नगरीकरण एवं जल संसाधन उपलब्धता
- औद्योगीकरण, जल उपयोग एवं जल प्रदूषण
- पर्यटन एवं जल संसाधन
- राजनैतिक निर्णय एवं जल संसाधन विकास
- जल संसाधन संभाव्यता व विकास
- जल संसाधन संरक्षण व शासकीय नीतियां
- जल संसाधन संरक्षण व सामाजिक संगठनों की भूमिका
- प्रदूषित एवं सूखती हुई नदियां
- कृषि आधुनिकीकरण एवं जल संसाधन
- जलवायविक परिवर्तन एवं जल संसाधन संभाव्यता
- दूर संवेदन तकनीक की जल संसाधन मूल्यांकन में उपयोगिता

शोध पत्र आमंत्रण :-

निर्धारित विषय एवं सहायक बिन्दुओं पर शोध पत्र आमंत्रित है। इच्छुक प्रतिभागी अपनी सहमति एवं शोध पत्र का सारांश ए-4 साइज पेपर में टंकित कर ई-मेल के माध्यम से कृतिदेव 10 अथवा टाइम्स न्यू रोमन फॉण्ट साइज 12 वर्ड फाइल में दिनांक 27.02.2024 तक संयोजक के पते पर भेजें। शोध पत्र हिंदी/अंग्रेजी में प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

युवा भूगोल विद सम्मान :-

ऐसे शोधार्थी जिनकी उम्र 35 वर्ष से कम है, युवा भूगोल विद सम्मान में भाग ले सकते हैं। उनके शोध-पत्रों के मूल्यांकन एवं प्रस्तुतिकरण के आधार पर उनमें से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय क्रम वाले युवा भूगोल विदों को सम्मानित किया जावेगा। सम्मान प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक प्रतिभागी दिनांक 27.02.2024 तक सूचना देवें। एकल लेखक शोध पत्र ही स्वीकार होंगे।

पंजीयन शुल्क

प्रतिभागी	:	राष्ट्रीय संगोष्ठी	800.00
		छ.ग. भूगोल परिषद हेतु	200.00
		कुल	1000/-
शोधार्थी	:	500.00	
छात्र-छात्राएं	:	300.00	

अतिथेय संस्था एवं भूगोल विभाग -

(1)	डॉ. सतीश कुमार दुबे	-	प्राध्यापक
(2)	श्री अंशुल गौरहा	-	सहायक प्राध्यापक
(3)	डॉ. माधुरी सिंह	-	स्ववित्तीय शिक्षक
(4)	श्री सुनील कुमार लोधी	-	स्ववित्तीय शिक्षक

आयोजन समिति

संरक्षक - डॉ. एस.एल. निराला, प्राचार्य (9425538230)

संयोजक - डॉ. एस.के. दुबे
डॉ. श्रीमती दीपशिखा शुक्ला
डॉ. के.के. भंडारी
श्री अंशुल गौरहा

छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद्

(पंजीयन क्रमांक 5620)

छत्तीसगढ़ राज्य में भूगोल विषय के अध्ययन अध्यापन एवं शोध संबंधी नवीनतम शोध को प्रोत्साहित करने हेतु दिनांक 7 नवंबर 2015 को छत्तीसगढ़ भूगोल परिषद का गठन प्रो. एच.एस. गुप्ता, सेवानिवृत्त, प्राध्यापक व अध्यक्ष भूगोल अध्ययन मंडल, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के संरक्षण में किया गया। परिषद् के प्रथम अध्यक्ष डॉ. जे.पी. शिवहरे रहे। वर्तमान पदाधिकारी इस प्रकार हैं :-

अध्यक्ष	:	डॉ. डी.डी. कश्यप, बिलासपुर
उपाध्यक्ष	:	डॉ. डॉ. ए.एल. पटेल, कसडोल
		डॉ. के.के. द्विवेदी, राजनांदगांव
		डॉ. गौरी वर्मा, रायपुर
		डॉ. डी.एल. पटेल, कांकेर
सचिव	:	डॉ. पी.एल. चंद्राकर, बिलासपुर
सह-सचिव	:	डॉ. जय सिंह साहू, राजनांदगांव
		डॉ. नम्रता शर्मा, रायपुर
कोषाध्यक्ष	:	डॉ. कावेरी दाभड़कर, बिलासपुर

कार्यकारिणी सदस्य : डॉ. एच.एस. गुप्ता, डॉ. जे.पी. शिवहरे, डॉ. जेड. टी खान, डॉ. टी.एल. वर्मा, डॉ. व्ही.के. पटेल, डॉ. उमा गोले, डॉ. शीला श्रीधर, डॉ. संगीता शुक्ला, डॉ. आर.एन. यादव, डॉ. सी.पी. नंद, डॉ. कल्पना लाम्बे, डॉ. सुशीला एक्का, डॉ. बी.एल. साय

सलाहकार समिति -

(1) डॉ. एस.आर. कमलेश
(2) डॉ. डी.डी. कश्यप
(3) डॉ. विमल पटेल
(4) डॉ. अनिल सिन्हा
(5) डॉ. आर.के. पटेल
(6) श्रीमती कुसुम सहगल
(7) डॉ. मंजु पाण्डेय
(8) श्री गोविंद माधव उपाध्याय
(9) डॉ. श्रीमती दुर्वा चटर्जी
(10) डॉ. नरेंद्र धुरिया
(11) डॉ. मनोज सिन्हा
(12) श्री विजय वैष्णव

ई-मेल : gaurahaanshul@gmail.com

संपर्क सूत्र : 9907133064, 9179521255, 8959375247, 6264066396